

Sch.) das Weibchen: क्रौञ्चिनामिव नारीणां निनादस्तत्र प्रमुञ्चे R. 2, 76, 21. 39, 39. 1, 2, 14. eine Tochter der Tāmra und Mutter der Brachvogel u. s. w. 3, 20, 18. 19. VP. 149, N. 13. Nach RĪGĀN. im ÇKDr. ist क्रौञ्च = कुरर Meeradler. — b) N. pr. eines Berges der Himāljaja-Kette TRIK. 2, 3, 3. 3, 3, 74. H. 1029. H. an. MED. सुदर्शने क्रौञ्चे च मेनागे च मङ्गागिरी TAITT. ĀR. 1, 31, 2. R. 4, 44, 32. fgg. VARĀH. BRH. S. 14, 24 in Verz. d. B. H. 241. शैलं क्रौञ्चं हिमवतः सुतम् MBH. 3, 14331. मैनाकस्य सुतः श्रीमान्क्रौञ्चः HARIV. 942. निर्मितां स्वेन पुत्रेण क्रौञ्चेन दिवि कामगाम्। प्रथितां पार्वतीं मायां समृते स (मयः) समस्ततः ॥ 2606. 12836. सक्मर्मास्थिसंघातो भिन्नः क्रौञ्च इवाचलः R. 3, 33, 91. क्रौञ्चरन्ध MEGH. 58. Diese Spalte im Berge rührt nach der Sage von Kārttikeya her (vgl. VP. 170, N. 10; daher führt dieser die Beinamen: क्रौञ्चदरण AK. 1, 1, 4, 36. H. 209, Sch. °सूदन Suçr. 2, 386, 10. °निमूदक (ऋषभदीपमासाय सेव्यं क्रौञ्चनिमूदकम् [?]। सरस्वत्यामुपस्पृश्य विमानस्यो विराजते ॥) MBH. 3, 8138. °शत्रु MĀKĪH. 173, 15. °रिपु PĀNĀT. I, 173. क्रौञ्चारि H. 209. क्रौञ्चारति HALĀJ. im ÇKDr. क्रौञ्चारि ist nach ÇABDAM. ebend. auch ein Bein. Paraçurāma's. क्रौञ्च soll, wie Wils. und ÇKDr. angeblich nach H. angeben, auch N. pr. eines Rakshas sein. Hat man dieses nicht aus den Beinamen des Kriegsgottes gefolgert? — c) क्रौञ्च und क्रौञ्चद्वीप N. eines nach dem Berge benannten Dvīpa TRIK. 2, 1, 4. H. an. MED. VARĀH. BRH. S. 14, 13 in Verz. d. B. H. 241. VP. 166. 199. BULG. P. 5, 1, 32. 20, 18. — d) N. pr. eines Schülers von Çākapūrṇi VP. 277. — 2) n. a) in Verb. mit अस्त्र Bez. eines myth. Wurfgeschosses R. 1, 29, 12. 56, 9. — b) Bez. eines Sāman LĀṬI. 3, 6, 22. 4, 7, 1. 6, 11, 3. 7, 2, 1. 8, 8. KūIND. UP. 2, 22, 1. einer Recitation: यत्क्रौञ्चमन्वाहसुरं तद्यन्मन्त्रं मानुषं तत् TS. 2, 3, 44, 1.

क्रौञ्चक von कुञ्चकीया (der Form nach von कुञ्चा) gaṇa वित्त्वकादि zu P. 6, 4, 153.

क्रौञ्चपद (क्रौञ्च + पद) adj. von Pferden; nach dem Schol. dessen Flanken den Flügeln des Brachvogels gleichen R. 5, 12, 35.

क्रौञ्चपदा (क्रौञ्च + पद) f. N. eines Metrums (4 Mal — — — — —, — — — — —, — — — — —) COLEBR. Misc. Ess. II, 164 (XX, 1). 110.

क्रौञ्चपदी (wie eben) f. N. pr. einer Localität MBH. 13, 1728 (क्रौ०).

क्रौञ्चपुर (क्रौञ्च + पुर) m. N. pr. einer Stadt HARIV. 3231. 3281. 5332.

क्रौञ्चवन्ध (क्रौञ्च + वन्ध) m. eine bes. Art Knoten: क्रौञ्चवन्धं (adv.) वद्धः P. 3, 4, 42, Sch.

क्रौञ्चवत् (von क्रौञ्च) m. N. pr. eines Berges, = क्रौञ्च HARIV. 11447.

क्रौञ्चादन (क्रौञ्च + अदन) 1) n. a) Lotusfaser (मृणाल) MED. n. 178.

HAR. 233. — b) Name verschiedener Pflanzen: = घेसुली und चिञ्चोटक MED. n. 178. HAR. langer Pfeffer ÇABDAM. im ÇKDr. — 2) f. f. Lotus-samen RĪGĀN. im ÇKDr.

क्रौञ्चारण्य (क्रौञ्च 1, a. + अरण्य) n. N. pr. eines Waldes R. 6, 74, 18. Vgl. क्रौञ्चालयम् — गङ्गं वनम् 3, 74, 7.

क्रौञ्चिक (von क्रौञ्च) N. pr. क्रौञ्चिकीपुत्र N. eines Lehrers ÇAT. BR. 14, 9, 4, 32.

क्रौड (von क्रौड) adj. f. f. einem Eber zukommend, ihm gehörig u. s. w.: बिभ्रत्क्रौडो (sic) तनुम् BULG. P. 2, 7, 1.

क्रौडि patron. von क्रौड; dazu f. क्रौड्या P. 4, 1, 80.

II. Theil.

क्रौर्य (von क्रूर) n. Grausamkeit, Härte des Gemüths M. 12, 33. क्रौर्यमपि मे वयि प्रयुक्तम् ÇĀK. 107, 1.

क्रौञ्चशतिक (von क्रौञ्च + शत) adj. 1) der hundred Kroça geht P. 5, 1, 74, VĀRTT. 1. — 2) der da verdient, dass man aus einer Entfernung von hundred Kroça zu ihm kommt: भित्तिः, आचार्यः P. 5, 1, 74, VĀRTT. 2.

क्रौष्टायनं patron. von क्रौष्ट gaṇa नडादि zu P. 4, 1, 99. Davon क्रौष्टायनक v. l. für क्रौष्टायणक im gaṇa श्रीरुणादि zu P. 4, 2, 30.

क्रौष्टिक m. COLEBR. Misc. Ess. II, 64 falsche Lesart für क्रौष्टिक.

क्रौष्टिकर्ण adj. aus Kroshṭukarṇa stammend gaṇa तक्षिलादि zu P. 4, 3, 93.

क्रौष्टिक patron. von क्रौष्टिक, N. eines Grammatikers NIM. 8, 2. BĀU. Dev. in Ind. St. 1, 103. KHANDAS 5. eines Astrologen AV. PARIÇ. in Verz. d. B. H. 94. BHATṬOP. ebend. 239, N. 5. N. eines zu den त्रिगर्तषष्ठ gehörenden Kriegerstammes Kār. zu P. 5, 3, 116. Davon क्रौष्टिकीय der Fürst derselben ebend.

क्रौष्टायण patron. von क्रौष्ट; davon क्रौष्टायणक gaṇa श्रीरुणादि zu P. 4, 2, 80. — Vgl. क्रौष्टायन.

क्लव्, क्लयति sich drehen oder ballen: क्लवन् VS. 39, 5. verletzen, tödten (vgl. क्लय्, क्लय्) DHĀTUP. 19, 40.

क्लवन n. nom. act. von क्लव्: क्लवनं मध्ये घृतस्यावर्तनम् MAULB. zu VS. 39, 5.

क्लद् s. क्लन्द.

क्लदीवत् adj. viell. feucht (vgl. क्लिद्): यवस्थस्य क्लदीवतः शाङ्कुरस्य नितोदिनः AV. 7, 90, 3.

क्लन्द, क्लन्दति rufen; wehklagen, weinen (vgl. क्रन्द) DHĀTUP. 3, 35. क्लन्दते (v. l. क्लन्दते) bestürzt —, betrübt sein 19, 12.

क्लन्दं adj. viell. geräuschvoll (vgl. क्रन्द): (अप्सरसः) पाः क्लन्दास्तमिपीचया उत्क्रामा मनीमुरुः AV. 2, 2, 5.

क्लप, क्लपयति v. l. für क्लृप् DHĀTUP. 32, 115.

क्लान्, क्लामति und क्लाम्यति P. 3, 1, 70. 7, 3, 74. 75. VOP. 8, 66. 67. 11. 5. müde werden, erschaffen DHĀTUP. 26, 98. Das verb. fin. nur in den spätesten Kunstgedichten anzutreffen: चक्लाम BHATṬ. 5, 102. चक्लामुः 14, 101. अक्लाम्यन् 17, 10, 102. लङ्काप्रदाहानवधुनेङ्गैः क्लाम्यवसावप्यधुनातिमात्रम् er werde niedergedrückt durch 12, 38. क्लान्त partic. 1) ermüdet, abgemattet, erschlaft, abgesehen: विश्राम्यतामित्पुवाच क्लान्तो ऽसीति पुनः पुनः MBH. 3, 2881. काण्टकाक्रमणक्लान्ता R. 2, 42, 19. अमक्लान्त ÇĀK. 32, 11. घर्माघनायस्त्रीक्लान्त Suçr. 1, 237, 15. ad MEGH. 18.

घातय० RAGH. 2, 13. क्लान्तकुस्त MEGH. 36. पञ्जरशृङ्गा VIKR. 41. क्लान्तचेतस् R. 2, 47, 15. एते क्लान्तमनसः पुनर्नवीकृताः ÇĀK. 62, 12. गण्डस्वेदापनयनरुजा क्लान्तकर्णोत्पलानाम् (पुष्पलावीमुखानाम्) MEGH. 27. — 2) ver-

welkt, ausgedörrt: रावणावग्रहक्लान्तमिति वागमतेन सः। अभिवृष्य मरुत्सस्यै कृष्णमेघस्तिरोदधे ॥ RAGH. 10, 49. आशुक्लान्तविमुञ्जसुरभि ÇĀK. 66. क्लान्तो मन्मथलेख एव नलिनीपत्रे नवैरिपितः 74. — 3) schwächlich:

मध्यः क्लान्तरः ÇĀK. 58. — Vgl. das damit identische अम्.

— परि, परिक्लान्त in hohem Grade erschöpft, — abgemattet: तृषा MBH. 1, 5893.

— वि med. verzagen: न विचक्लामे ÇĀK. 15, 127.

क्लाम (von क्लाम्) m. Ermüdung, Erschöpfung, Erschlaffung, Abspan-